अभिवृद्धि एवं विकास में अंतर

⇒ अभिवृद्धि शब्द परिमाण सम्बंधी परिवर्तनों (Quantitative changes) के लिए प्रयुक्त होता है जैसे- बच्चे के बड़े होने के साथ आकार, लम्बाई, ऊँचाई और भार आदि में होने वाले परिवर्तन को वृद्धि कहते हैं।

विकास शब्द वृद्धि की तरह केवल परिमाण सम्बंधी परिवर्तनों को व्यक्त न कर ऐसे सभी परिवर्तनों के लिए प्रयुक्त होता है जिससे बालक की कार्य-क्षमता, कार्यकुशलता और व्यवहार में प्रगति होती है।

⇒ अभिवृद्धि (वृद्धि) एक तरह से सम्पूर्ण विकास प्रक्रिया का एक चरण है। विकास के परिणाम और मात्रा सम्बंधी पक्ष को वृद्धि कहा जाता है। विकास शब्द अपने आप में एक विस्तृत अर्थ रखता है। वृद्धि इसका ही एक भाग है, यह व्यक्ति में होने वाले सभी परिवर्तनों को प्रकट करता है।

Scanned with CamScanner

⇒ अभिवृद्धि का स्वरूप बाहरी होता है।

विकास आंतरिक और बाह्य दोनों स्तर पर होता है।

⇒ अभिवृद्धि केवल शारीरिक परिवर्तनों को दर्शाता है।

विकास मानव-व्यक्तित्व के सम्पूर्ण परिवर्तन को दर्शाता है।

⇒ अभिवृद्धि जीवन पर्यन्त नहीं होती। एक निश्चित आयु के बाद लगभग रुक जाती है।

विकास जीवन पर्यन्त एक व्यवस्थित और लगातार आने वाला परिवर्तन है।

⇒ परिपक्व अवस्था प्राप्त होते ही अभिवृद्धि रुक जाती है।

विकास कभी नहीं रुकता। परिपक्वता की अवस्था प्राप्त होने पर भी विकास नहीं रुकता।

⇒ अभिवृद्धि परिमाणात्मक होता है।
विकास परिमाणात्मक तथा गुणात्मक होता है।

Scanned with CamScanner